हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

11 हर घर के आंगन में हो तुलसी का पौधा...

12 पार्थ का योग सबसे बेहतरीन, मानसी रही ...

HURRY UP ! Limited Seats
NEET JEE NTSE NDA MNS AIRFORCE
★Free Doubt Class ★AC Class Rooms
★Free Extra Class ★Join H.D. for Success
★No Tuition No Tension ★Direct Bus Service From Ch. Dadri
FREE DEMO Classes
Science (Medical, Non-Medical) Commerce, Arts
H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
Admission Open Nur. to 9th & 11th
For Session 2025-26
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

कलानौर की टीम ने रिवाड़ीखेड़ा को हराया

भिवानी। रणजी खिलाड़ी स्व. अमित वशिष्ठ की याद में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा गांव रेवाड़ीखेड़ा स्थित ठाकुर आजाद सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 11 दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के वीरवार को भी जारी रही। पहले मैच का शुभारंभ दीपक केनरा बैंक ने किया। अमित वशिष्ठ फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि वीरवार को आयोजित पहले मैच में कलानौर ने रिवाड़ीखेड़ा को हराया। रिवाड़ीखेड़ा ने 20 ओवर में 148 रन बनाए। कलानौर की टीम ने 15 ओवर में ही मैच जीत लिया।

सीटीएम ने लोगों की शिकायतें सुनीं

चरखी दादरी। वीरवार को उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में लोगों की शिकायतें सुनी और उनके निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों ने मौके पर इन शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की।

फेम के जिलाध्यक्ष ने किया पौधरोपण

चरखी दादरी। फेम के जिलाध्यक्ष जयभगवान मस्ताना ने वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और बिगड़ते पर्यावरण संतुलन को देखते हुए वीरवार को पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। अभियान के तहत जयभगवान ने अपनी धर्मपत्नी सुशीला के साथ रेस्ट हाऊस के नजदीक त्रिवेणी के साथ-साथ छायादार एवं औषधीय पौधें रोपे।

मार्केट कमेटी के सचिव के पिता का निधन

भिवानी। मार्केट कमेटी जुई अनाजमंडी के सचिव बसंत कुमार मेहरा एवं पत्रकार संजय मेहरा के पिता ओमप्रकाश मेहरा का बुधवार को निधन हो गया, वे 72 वर्ष के थे, उनके आकस्मिक निधन से परिवार सहित पूरे गांव में गम का माहौल हैं। उनका अंतिम संस्कार रोहतक जिले के उनके पैतृक गांव जेठपुर (तैमूरपुर) में किया गया। उनके पार्थिव शरीर को उनके ज्येष्ठ पुत्र संजय कुमार मेहरा ने मुखाग्नि दी। गौरतलब है कि उनके तीन पुत्र हैं, तीसरा पुत्र विनोद मेहरा गांव के सरपंच रह चुके हैं। ओमप्रकाश मेहरा बहुत ही मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे, वे सामाजिक कार्यों में बढ़कर भाग लेते थे।

किसान बोले: भूमि पर किसानों का रहे मालिकाना हक

रुपगढ़-नीमड़ीवाली में पाइप लाइन को लेकर किसानों-प्रशासन में रार

उपायुक्त ने मंगलवार को बुलाई किसान और कम्पनी के अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गुरुवार को रूपगढ़-नीमड़ीवाली में आईओसीएल तेल कम्पनी की पाइप लाइन बिछाने को लेकर जबरदस्त तनाव रहा। तेल कम्पनी ने पाइपों से भरे दो ट्राले भी मंगवाए,लेकिन किसानों के जबरदस्त विरोध की वजह से पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू ही नहीं हो पाया। हालांकि किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस प्रशासन व डयूटी मजिस्ट्रेट भी मौके पर रहे,पर किसानों का जबरदस्त विरोध की वजह से तेल कम्पनी को वापस लौटना पड़ा। इस दौरान डयूटी मजिस्ट्रेट ने उपायुक्त से बातचीत की और सारे मामले से अवगत करवाया। उपायुक्त ने मंगलवार को तेल कम्पनी व किसानों की मीटिंग बुलाई है। तब तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य बंद रहने के निर्देश दिए है। सुबह दस बजे आईओसीएल तेल कम्पनी के अधिकारी बड़े बड़े पाइपों को दो ट्रालों में लादकर गांव नीमड़ीवाली व रूपगढ़ के खेतों में पहुंचे। कम्पनी के अधिकारियों ने लाइन दबाने के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई का कार्य शुरू करवाया,लेकिन उसी वक्त किसानों ने कार्य को रूकवा दिया। काम रूकते ही कम्पनी की तरफ से सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मौके पर बतौर डयूटी मजिस्ट्रेट पहुंचे अधिकारी ने किसानों को काफी समझाने का प्रयास किया,लेकिन किसान लिखित व बढ़ा हुआ मुआवजा दिलाए जाने की मांग पर अड़ गए। करीब चार घंटे तक तनाव बना रहा। बाद में डयूटी मजिस्ट्रेट ने इस बारे में उपायुक्त को जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद उपायुक्त ने मामले को सोमवार तक टालने के निर्देश दिए और मंगलवार को दोनों गांवों के किसानों व कम्पनी के अधिकारियों को भिवानी बुलाया है। ताकि दोनों पक्षों की मांग सुनने के बाद मामले को निपटाया जा सके। उपायुक्त की तरफ से आश्वासन मिलने के बाद ही किसान अपने अपने घर वापस लौटे और पुलिस प्रशासन मुख्यालय लौट आया। प्रशासन की तरफ से ड्यूटी मजिस्ट्रेट बीडीओ भिवानी सोमबीर कादियान को बनाया गया था तथा एस एस पी भिवानी के सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार मुख्य रूप से पुलिस प्रशासन से डीएसपी आर्यन चौधरी के आदेश पर कार्यवाही कर रहे थे। पुलिस प्रशासन से बातचीत में कामरेड ओम प्रकाश , रूपगढ़ सरपंच रवि कुमार , ढाणी जंगा सरपंच जितेन्द्र राजपूत , नीमड़ी वाली सरपंच प्रतिनिधि लीला राम , नीरज यदुवंशी , राजबीर सिंह यादव आदि शामिल रहे।

भिवानी। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए मौके पर तैनात भारी पुलिस बल। व खेतों में लोगों को समझाते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। गांव रूपगढ-नीमड़ीवाली के खेतों में ट्रकों से पहुंची पाइप लाइन।

भिवानी। खेतों में लोगों को समझाते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

15 सौ स्केयर मीटर के हिसाब से मिले मुआवजा

किसानों ने बताया कि आईओसीएल तेल कम्पनी उनके गांव के नजदीक से पाइप लाइन निकाल रही है। जिस जगह से पाइप लाइन निकाल रही है। उन जगहों पर उनके घरों के साथ लगते प्लाट भी है। उनमें से पाइप लाइन निकालने का प्रयास कर रही है। पाइप लाइन निकालने के बदले उनको मामूली सा मुआवजा दिया जा रहा है। शुरु में तो उनको 107 रुपये प्रति स्केयर मीटर के हिसाब से देने का भरोसा दिलाया था,लेकिन उनके विरोध के बाद कम्पनी ने उस को बढ़ा कर 207 रुपये प्रति स्केयर मीटर कर दिया। जो कि नाकाफी है। किसान सतीश ने बताया कि इसी कम्पनी ने वर्ष 2013 में शामली में पाइप लाइन बिछाई थी। वहां पर कम्पनी ने 730 रुपये प्रति स्केयर मीटर के हिसाब से मुआवजा दिया,लेकिन उनको मामूली सा मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनको कम से कम 15 सौ रूपये प्रति स्केयर मीटर के हिसाब से मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। उन्होने बताया कि पहले उनके खेतों में से बिजली के खंबों का जाल बिछा है। खेत पूरी तरह से खराब हो गए। अब रही सही कसर पाइप लाइन निकाल देगी।

60 फुट जगह से निकालेगी लाइन

किसानों ने बताया कि तेल कम्पनी करीब 60 फुट जगह को अपने कब्जे में लेने का प्रयास कर रही है। क्योंकि पांच फुट नीचे पाइप लाइन दबाई जाएगी। उस पाइप लाइन के रख रखाव के लिए भी कम्पनी के अधिकारी वाहन लेकर इसी रास्ते से आवागमन करेंगे। ऐसे में एक तरह से यह जमीन तेल कम्पनी के कब्जे में आ जाएगी। उनका इस जमीन पर कोई अधिकार नहीं रहेगा। अगर किसी एक एकड़ के बीच में से 60 फुट(तीन कनाल) भूमि सरकार ले ले तो उस खेत में मात्र पांच कनाल ही जमीन बच पाएगी। ऐसे में किस तरह से किसान किस तरह से उस खेत पर बिजाई व सिचांई किस तरह से कर पाएंगे।

भिवानी। रोष प्रदर्शन को लेकर मीटिंग करते रिटायर्ड कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

रिटायर्ड कर्मचारियों का रोष प्रदर्शन 22 को

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- रिटायर्ड कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात है लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक : रामचंद्र

बड़ चौक स्थित सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में वीरवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला इकाई भिवानी की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता जिला कार्यकारी प्रधान रामचंद्र सैनी ने की तथा संचालन जिला सचिव राजबीर सिंह कादयान ने किया। बैठक के दौरान विशेष तौर पर सरकार द्वारा रिटायर्ड कर्मचारी के पेंशन पर लिया फैसले पर रहा तथा फैसला लिया कि सरकार के इस फैसले के विरोध में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशन फेडरेशन के आह्वान पर 22 अप्रैल को प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला कार्यकारी प्रधान रामचंद्र सैनी व जिला सचिव राजबीर सिंह कादयान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वासरा 25 मार्च को लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2024 से पहले सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पुराने पेंशनर्ज को 8वेतन आयोग का लाभ नहीं दिया जाएगा तथा वह न्यायालय में भी अपील नहीं कर पाएगा, जिसके विरोध में रिटायर्ड कर्मचारियें के अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फेडरेशन ने राष्ट्र स्तर पर सभी जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन व धरना करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 22 अप्रैल को सभी जिलों में उपायुक्त कार्यालय में एकत्रित होकर केंद्रीय वित्तमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी कड़ी में भिवानी में रोष प्रदर्शन किया जाएगा। सरकार द्वारा लोकसभा में पारित किए नए बिल के अनुसार अब रिटायर कर्मचारी को 8वें वेतन आयोग का लाभ नहीं मिलेगा, जो रिटायर कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों पर भी मंहगाई की मार पड़ती है, ऐसे में उन्हे पेंशन व वेतनमान वृद्धि की अधिक जरूरत है। इस अवसर पर राज्य महासचिव रत्न कुमार जिंदल, भिवानी ब्लॉक सचिव दिलबाग जांगड़ा, उपसचिव फूलचंद, भिवानी ब्लॉक कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार, बवानीखेड़ा प्रधान संतु सिंह, ब्लॉक प्रधान बलवानसिंह दरोगा, जिला उपप्रधान एएफएम रामचंद्र, महाबीर सिंह, चंद्रभान, सुरेश, रामभगत ब्रांच सचिव सिवानी सहित अन्य कर्मचारी नेता मौजूद रहे।

पानी के वाटर टैंकर का प्रबंध करें

- गर्मी के मौसम में नागरिकों को समुचित मात्रा पेयजल मिलना सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में गर्मी के मौसम के मद्देनजर जिला में समुचित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद और पंचायत विभाग के तकनीकी अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम के दौरान आम जनता और पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पेयजल मिलना चाहिए। इसके साथ ही तालाबों में पानी भरना सुनिश्चित करें ताकि मवेशियों के समक्ष पानी की दिक्कत ना हो। उपायुक्त कौशिक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकल्प के तौर पर पानी के वाटर टैंकर का भी प्रबंध किया जाए। अगर किसी गांव में पानी की समस्या बनती है तो जलघरों के नजदीक ट्यूबेल लगाकर पानी की सप्लाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्यूबवेल का पानी सप्लाई करने से पहले जनस्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम पानी के नमूनों की पूर्णता जांच करने उपरांत ही सप्लाई करें। उपायुक्त ने पंचायत विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग व सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में अधिकारी जिला में पेयजल की कमी ना रहने दें। डीसी ने आम जन और पशुओं के लिए समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गाडियो को धोने वालों , पार्कों में पानी को व्यर्थ करने वालों की खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

भिवानी। पानी की सप्लाई को लेकर आयोजित बैठक में दिशा निर्देश देते हुए।

एनएसक्यूएफ के लाभों की जानकारी दी

- परिजन बोले उनके बच्चों को इस योजना के तहत दिलवाएंगे दाखिला

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के वीर शहीद कपिल देव जी राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ द्वारा मिलकर विद्यालय में चल रही राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा ''एनएसक्यूएफ'' योजनाओं के बारे में नुक्कड़ सभा करके जानकारी दी। जानकारी विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर के आदेशानुसार अभियान चलाकर दी गई। नुक्कड़ सभा में ट्रेड की वोकेशनल शिक्षिकाओं में गोल्डी ग्रोवर व गीता रानी, एमएमसी प्रधान वजीर, उपप्रधान मंगलू, पार्षद सुमित्रा देवी, नॉडल अधिकारी मोहित यादव, वीरेन्द्र राहर, सत्यवान यादव, भूपेन्द्र शर्मा, सुनील शर्मा, नवीन कुमार, हुनेश कुमार, सोनू रानी संग ने पहुंचकर अपनी अहम भूमिका अदा करते हुए जानकारियां दी। लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने अपने बच्चों को इन ट्रेड़ों में दाखिला करवाने की हामी भरी। वोकेशनल शिक्षिकाओं में गोल्डी ग्रोवर व गीता रानी ने बताया कि पहले के समय में दसवीं व 12वीं करने पश्चात ही किसी कोर्स को किया जाता था जिसमें ज्यादा समय लगता था लेकिन विभाग द्वारा अब 12वीं कक्षा तक पढ़ते पढ़ते बच्चों को आटोमोबाइल, कंप्यूटर आदि में एक्सपर्ट हो जाते हैं जिसका प्रमाण पत्र भी विभाग द्वारा दिया जाता है जिससे विद्यार्थी अपना रोजगार करके या कंपनियों में नौकरी करके अपना जीवन सफल बना सकते हैं।

बवानीखेड़ा। राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा ''एनएसक्यूएफ'' योजनाओं के बारे में नुक्कड़ सभा में जागरूक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विभाग की योजनाएं हो रही कारगर सिद्ध

वोकेशनल ट्रेड़ो के बारे प्राचार्या संतोष भाकर ने बताया कि विभाग की योजनाएं कारगर सिद्ध हो रही है। काफी विद्यार्थी इनका लाभ लेकर निजी कंपनियों में सफल हुए हैं तो अनेक के द्वारा स्वरोजगार स्थापित किए हैं जिससे वे दूसरों को भी कामयाब करने में सफल सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने दोनों ट्रेड की शिक्षकों के कार्य की भी जमकर सराहना की। वीटी गोल्डी ग्रोवर व गीता रानी की मानें तो आज के समय में कंप्यूटर की बहुत आवश्यकता है। दैनिक जीवन के प्रयोग में कंप्यूटर कदम कदम पर आवश्यक है। आईटी की टीम विद्यार्थियों को कंप्यूटर की शिक्षा देकर उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार कर रहे हैं तो वहीं ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी काफी संभावनाएं है।

जैन साधु-साध्वियों को सुरक्षा देने की मांग

- जैन साधु-साध्वी एक से दूसरे स्थान पर जाने को नहीं करते वाहन का इस्तेमाल : जैन समाज

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। एसपी को ज्ञापन सौंपते जैन समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

उपप्रवर्तक आनंद मुनि महाराज, प्रवचन दीवाकर दीपेश मुनि के मार्गदर्शन में जैन समाज का शिष्टमंडल पद विहार कर रहे जैन साधु साधुओं की सुरक्षा देने के लिए पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा से मुलाकात की। जैन समाज के विशिष्ट सदस्य पंकज जैन ने पुलिस अधीक्षक के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि हमारे जैन धर्म में कोई भी साधु एवं साध्वी एक स्थान से दूसरे स्थान पे जाने के लिए किसी भी वाहन आदि सुविधाओं का इस्तेमाल नहीं करते। वह पैदल चलकर ही विहार करते है, जिसके उपरांत उन्हें कई बार सुनसान रास्ते में भी विहार करना पड़ता है। आज के समय में कुछ असामाजिक तत्त्व संतों को हीन भावना से देखते है, जिससे वह उनके ऊपर हमला करते है एवं जान पर खतरा बना रहता है। हमारे जैन धर्म के नियमानुसार किसी भी साध्वी के साथ पुरुष नहीं रहता, जिससे उन्हें और भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इसलिए दादरी से आने एवं जाने पर संतों एवं साध्वियों के विहार करने पर कुछ पुलिस सुरक्षा का इंतजाम किया जाएं। इन सभी विषयों पर ज्ञापन भी दिया। एसपी अर्श वर्मा ने जैन साधु-साध्वी के विहार के दौरान पूरी सुरक्षा देने का हमें आश्वासन देकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर प्रधान इंद्र जैन, महासचिव राजीव गर्ग, पंकज जैन आदि मौजूद रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन

ऑनलाइन डायरी व्यवस्था को लेकर गरजे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गुरुवार को राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, हसला,अध्यापक संघ सहित तीनो संगठनों ने अध्यापकों से ऑनलाइन डायरी अपलोड करने के विभाग के आदेशो के विरोध मे जो अव्यवहारिक है के विरोध मे प्रदर्शन कर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग के नाम जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि खंड शिक्षा अधिकारी भिवानी शिवकुमार तंवर को ज्ञापन सौपा।

जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर, महेन्द्र मान व अजीत राठी ने कहा कि ऑनलाइन डायरी अपलॉड करने से विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडना लाजमी है क्योकि उक्त कार्य को ऑनलाइन करने मे एक से दो घंटे का समय खर्च होगा। ये ऑनलाइन डायरी लिखते समय खर्च होने वाला समय बच्चों की पढाई का ही समय व्यर्थ होगा जिसका बच्चो की पढाई पर प्रतिकूल ही प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए विद्यलयों मे संसाधन भी उपलब्ध नही है दूर दराज के विद्यालयों मे नेटवर्क की समस्या भी रहती है। सरकार को चाहिए कि सभी विद्यालयों मे मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाए। एफ एल एन के नाम पर अनावश्यक दबाव शिक्षकों पर बनाया जा रहा है जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है जिसका सभी संगठनो ने जोरदार विरोध प्रकट किया।

अस अवसर पर महासचिव सुमित शर्मा,अशोक पहल,संजय बुशान, सुरेंद्र नलवा,प्रभु सिंह,सुरेश धारवानबास सहितअनेक साथियों ने संबोधित किया। इस प्रदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल हुए और मंच से शिक्षकों की समस्याओं को मुखरता से उठाया।

भिवानी। ऑनलाइन डायरी के विरोध में ज्ञापन सौंपते हुए।

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नाहनू, हरिश गौच्छी, सुरेंद्र नलवा, सुमेर आर्य, बिजेंद्र ग्रेवाल, शोभित सांगवान, विकास वर्मा, सत्यवन कोच, रामधन शास्त्री,श्याम सुंदर, सतेंद मलिक ,राजीव वत्स, सुनील टिटानी, प्रभु सिंह , राजेश कौशिक, संजय रोहिला, अनुप, बलबीर, सुनील दत्त, अरुण ढिल्लो, राजेश पूनिया,राम अवतार यादव, लाजपत जारी,संजय कुमार सुरेंद्र मील, सुनीता आदि मौजूद रहे।

बच्चो, क्या तुम जानते हो हम सब जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वो कितनी विविधताओं से भरी हुई है? इसकी विविधताएं ही इसे सौर मंडल का सबसे अनूठा ग्रह बनाती है। लेकिन हम इंसानों की लापरवाही से इस पर कई तरह के संकट बढ़ रहे हैं, इसका स्वरूप बिगड़ रहा है। हमारी धरती हमेशा हरी-भरी रहे, इसके लिए हमें जागरूक होना होगा।

हमेशा हरी-भरी रहे हमारी पृथ्वी

जागरूकता

देवेंद्र मेवाड़ी

बच्चो, पृथ्वी के बारे में हम तुम्हें कुछ रोचक बातें बताएं, इससे पहले आओ, जरा आसमान से अपनी प्यारी पृथ्वी पर नजर डालते हैं। देखें तो सही वहां से यह कैसी दिखती है? ओह, दूर अंधेरे में कितनी सुंदर लगती है हमारी प्यारी पृथ्वी! चमकीला नीला गोला, उस पर फैले घुंघराले श्वेत बादल, नीचे भूरे, हरे, हल्के पीले महाद्वीप, बर्फ से ढंके उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव। नील मणि-सी चमकती मां पृथ्वी का यह नीला रंग इसके विशाल नीले महासागरों के कारण दिखाई देता है।

विविधताओं से भरी

हमारे प्राचीन ग्रंथों में पृथ्वी को मां कहा गया है। सूर्य से दूरी के हिसाब से यह सौर मंडल का तीसरा ग्रह है। यह एक मात्र ऐसा ग्रह है, जिस पर जीवन है। हमारी पृथ्वी अपने आप में बहुत-सी विविधताओं को समेटे हुए है। इसमें कहीं ऊंची पर्वतमालाएं हैं तो कहीं दूर-दूर तक फैले मैदान, कहीं गहरी घाटियां हैं तो कहीं विशाल रेगिस्तान। कहीं हरे-भरे जंगल, तो कहीं विशाल दलदल। कहीं सदानीरा नदियां बहती

हैं तो कहीं ऊंचे पहाड़ों से छल-छल झरने गिरते हैं। कहीं भीषण गर्मी पड़ती है तो कहीं कड़ाके की सर्दी। कहीं घनघोर वर्षा होती है तो कहीं बारिश का नामो-निशान नहीं होता।

इसलिए मौसम में होती है भिन्नता

हमारी पृथ्वी अपने अक्ष पर 23.5 डिग्री झुकी हुई है। साथ ही यह लगातार घूमती रहती है। जब यह अपनी धुरी पर घूमती है तो घूमते हुए लट्टू की तरह अंडाकार कक्षा में सूर्य की परिक्रमा भी करती है। इस सब का नतीजा यह होता है कि पृथ्वी के हर हिस्से पर साल भर सूर्य की रोशनी एक समान नहीं पड़ती। इसीलिए पृथ्वी की भूमध्य रेखा के आस-पास के हिस्सों में मौसम बेहद गर्म होता है। ज्यों-ज्यों हम उत्तर या दक्षिण की ओर बढ़ते हैं तो तपन कम होने

लगती है और मौसम ठंडा लगने लगता है। और ध्रुवों पर तापमान न्यूनतम हो जाता है। ये हमारी पृथ्वी की जलवायु के विविध रंग हैं।

बिगड़ रहा है ऋतु चक्र

आज से कुछ दशक पहले तक अपने सही समय पर ऋतुएं बदलती थीं। समय पर वसंत आता था। मई-जून में गर्मी पड़ती थी, फिर वर्षा ऋतु आती थी। उसके बाद हेमंत ऋतु और फिर शीत ऋतु की

ठिठुरन शुरू हो जाती थी। ऋतुओं के हिसाब से किसान खेती करते थे, बोआई और कटाई के उत्सव मनाते थे। पशु-पक्षी भी ऋतुओं के हिसाब से अपनी लंबी प्रवास यात्राएं करते थे या ठंडे प्रदेशों में गुफाओं, कोटरों और बिलों में सो जाते थे। नन्ही तितलियां वसंत के इंतजार में प्यूपा बन कर किसी टहनी, चट्टान

या दीवार से लटक जाती थीं कि वसंत आएगा और वे पंख फड़फड़ा कर मधु और पराग चूसने के लिए फूलों के पास पहुंच जाएंगी। नदियां कल-कल बहा करती थीं, हरे-भरे जंगल ठंडी बयार बहाकर हमारी सांसों के लिए भरपूर मात्रा में प्राणवायु ऑक्सीजन दिया करते थे। जलवायु के साथ हर जीवधारी का संबंध हुआ करता था। लेकिन अब यह संबंध भी गड़बड़ा गया है। वसंत समय पर नहीं आता तो फूल भी समय पर नहीं खिलते। बेमौसम और असमान रूप से बरसात होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन होने से मौसम में ये परिवर्तन हो रहे हैं। हम इंसानों की लापरवाही से ही पृथ्वी का प्राकृतिक स्वरूप और इसकी जलवायु बिगड़ रही है।

हम निभाएं अपनी जिम्मेदारी

पृथ्वी को इन तमाम संकटों से बचाने के लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। बच्चो, इसमें सबसे बड़ी भूमिका तुम्हारी होगी। तुम ही देश, दुनिया के भविष्य हो। तुम्हें अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, इस प्यारी पृथ्वी पर हरियाली बढ़ानी होगी। जल, थल और वायुमंडल को साफ रखना होगा। तभी यह प्यारी-निराली पृथ्वी रहने लायक रहेगी। *

चिंताजनक है ग्लोबल वार्मिंग

प्रकृति में आए परिवर्तन की वजह यह है कि विकास की एक ऐसी अंधी दौड़ शुरू हो गई है कि हर कहीं पेड़ों के जंगल के बजाय कंकरीट के जंगल (ढेरों मकान, भवन और ऊंची इमारतें) खड़े होने लगे हैं। हरे-भरे जंगल कटने लगे हैं और शहर फैलने लगे हैं। हम लोग यह भूल गए कि पेड़-पौधों और हरे-भरे जंगलों से ही हमें सांसें मिलती हैं। हम उनकी बनाई प्राणवायु ऑक्सीजन में ही सांस लेकर जीवित रहते हैं। इसीलिए प्रकृति ने हमारे लिए हवा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसों की ठीक उतनी ही मात्रा रखी थी, जितनी हमारे सांस लेने के लिए जरूरी थी। लेकिन हरे-भरे जंगल कटने, शहरों के फैलने, सड़कों पर लाखों गाड़ियों के पेट्रोल से उत्पन्न होने वाले धुएं से हर साल लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में पहुंचने लगी। इससे वायुमंडल में प्रकृति द्वारा तय किया गया गैसों का अनुपात गड़बड़ा गया। परिणाम यह हुआ कि पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिक इसे वैश्विक तपन या ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। इस तपन के कारण ध्रुवों की बर्फ पिघल रही है और ग्लेशियर भी पिघल कर सिकुड़ते जा रहे हैं। तापमान इसी तरह बढ़ता गया तो सागरों में पानी का स्तर बढ़ने से सागरतटों पर बसे शहरों के डूबने का खतरा पैदा हो जाएगा। पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का संकट बढ़ता जा रहा है। इसे रोकना होगा।

यह भी जानो / शिखर चंद जैन

बहुत अनूठी हैं पृथ्वी की विशेषताएं

बच्चो, पृथ्वी (अर्थ) हमारे सौर मंडल का एकमात्र ग्रह है, जिस पर जीवन है। मनुष्य, पेड़-पौधे, जीव-जंतु सभी इस पृथ्वी पर रहते हैं। हमारी पृथ्वी के अलावा बाकी कुछ ग्रहों पर जीवन होने की संभावनाएं तो जताई गई हैं, लेकिन अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस लिहाज से पृथ्वी सौर मंडल के अन्य ग्रहों से अलग-अनूठी है।

कितनी पुरानी है पृथ्वी: विभिन्न वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि पृथ्वी लगभग 4.5 अरब साल पुरानी है। नेशनल सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन के वैज्ञानिकों ने चट्टानों और उल्कापिंडों की कार्बन-डेटिंग (प्राचीन वस्तुओं की उम्र पता लगाने की वैज्ञानिक विधि) करके इस अनुमानित आयु का पता लगाया है। हजारों साल तक मनुष्य यह मानता रहा कि पृथ्वी, ब्रह्मांड का केंद्र है। बाद में पता चला कि सूर्य, हमारे सौर मंडल

के केंद्र में है और पृथ्वी समेत अन्य ग्रह उसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं।

पांचवां सबसे बड़ा ग्रह: पृथ्वी की भूमध्यरेखीय त्रिज्या (इक्वेटोरियल रेडियस) लगभग 6,378 किलोमीटर और व्यास (डायमीटर) लगभग 12,756 किलोमीटर है, जबकि इसकी ध्रुवीय त्रिज्या (पोलर रेडियस) लगभग 6,357 किमी और व्यास लगभग 12,714 किमी है। पृथ्वी हमारे सौर मंडल का पांचवां सबसे बड़ा ग्रह है।

पृथ्वी की परतें: परतों (लेयर्स) की बात करें, तो हमारी पृथ्वी को मुख्य रूप से तीन परतों में बांटा गया है- कोर, मेंटल और क्रस्ट। कोर पृथ्वी का सबसे आंतरिक भाग होता है। पृथ्वी के मध्य भाग को मेंटल कहते हैं, जबकि पृथ्वी के सबसे ऊपरी परत को क्रस्ट कहते हैं। क्रस्ट ही वह हिस्सा है, जिस पर मानव जीवन का अस्तित्व है।

लगातार गतिशील है पृथ्वी: बच्चो, हमारी पृथ्वी दो तरीके से गति करती है-घूर्णन (रोटेशन) और परिक्रमण (रिवॉल्यूशन)।

पृथ्वी अपने अक्ष (धुरी) पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है। पृथ्वी को अपना एक घूर्णन पूरा करने में लगभग 24 घंटे का समय लगता है। अपने अक्ष पर लगातार घूमते रहने के कारण ही पृथ्वी पर दिन और रात होते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर लगभग 1667 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से घूमती है। घूर्णन के अलावा हमारी पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक दीर्घ वृत्ताकार (एलिप्टिकल) कक्षा में चक्कर भी लगाती है, जिसे परिक्रमण कहा जाता है। यह सूर्य के चारों ओर लगभग 1,07,226 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चक्कर लगाती है। सूर्य का एक चक्कर लगाने में पृथ्वी को 365.25 दिन का समय लगता है। परिक्रमण गति के कारण ही हमारी पृथ्वी पर ऋतु/मौसम परिवर्तन होता है।

पानी का भंडार: पृथ्वी पर जल का अथाह भंडार है। इसकी सतह का 71 प्रतिशत हिस्सा तो पानी से ही ढंका है। सिर्फ 29 प्रतिशत हिस्सा ही भूमि है। इस पानी में से केवल 3 प्रतिशत पानी ही मीठा/ताजा यानी अलवणीय और पीने योग्य है। बाकी 97 प्रतिशत पानी खारा है। पृथ्वी का लगभग 90 प्रतिशत ताजा पानी अंटार्कटिका की ध्रुवीय बर्फ के रूप में जमा हुआ है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्यारी-मनोरंजक कहानियां

बच्चो, बांग्ला भाषा की प्रसिद्ध लेखिका जया मित्र की बाल-कहानियों की किताब 'चार-पांच दोस्त' का हिंदी अनुवाद हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इसका अनुवाद किया है कल्लोल चक्रवर्ती ने। इसमें कुल चौदह कहानियां और एक नाटक संकलित है। इन कहानियों में बाग-बगीचे, फूलों वाले पेड़, नदी, पहाड़, जंगल, बारिश, चिड़िया, तितली आदि मौजूद हैं। इनके साथ नन्हे बच्चों की खिलंदड़ी हरकतें मन को लुभाती हैं। हम सभी के जीवन में प्रकृति की कितनी महत्ता है, इसे बड़े सरल ढंग से ये कहानियां बताती हैं। 'चार-पांच दोस्त', दो चिड़िया चड़ुआ-बड़ुआ, दो नन्ही बच्चियों रिया-पियाल और एक छोटे लड़के गौतम की प्यारी-सी कहानी है। 'उस बार पहाड़ में' और 'तितलियों का गांव' समेत सभी कहानियां तुम्हें अच्छी लगेंगी। *

किताब: चार-पांच दोस्त, **लेखिका:** जया मित्र, **अनुवाद:** कल्लोल चक्रवर्ती, **मूल्य:** 175 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

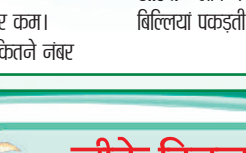

चिंटू : अगर मिस्टर बीन सो जाए, तो हम उन्हें क्या कहेंगे?
मिंटू : पता नहीं। तुम्हीं बता दो, क्या कहेंगे?
चिंटू : सोयाबीन।
-रमन, रायपुर

पापा : आज मैथ्स टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए?
सोनू : मोनू से बीस नंबर कम।
पापा : अच्छा! मोनू के कितने नंबर आए हैं?
सोनू : बीस नंबर।
-अमन, बिलासपुर

कंप्यूटर टीचर : कंप्यूटर चलाने के लिए तुम्हें सबसे पहले ढंग से माउस पकड़ना आना चाहिए।
रोहित : लेकिन सर, माउस को तो बिल्लियां पकड़ती हैं।
-दीक्षा, रोहतक

जीके क्विज-150

1. पहला 'पृथ्वी दिवस' किस वर्ष मनाया गया था?
2. 'पृथ्वी दिवस' मनाने की शुरुआत का श्रेय किसे जाता है?
3. हाल ही में किस भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी ने आईपीएल क्रिकेट में एक हजार बाउंड्रीज (चौके और छक्के) लगाने का रिकॉर्ड बनाया?
4. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को किस देश में 'सिटी की ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया?
5. भारत के वर्तमान विदेश मंत्री कौन है?
6. दुनिया में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान कौन-सा है?
7. किस भारतीय शहर को 'द सिटी ऑफ पैलेस' कहा जाता है?
8. लोकनायक के नाम से किन्हें जाना जाता है?
9. भारतीय राष्ट्रीय कैलेंडर का पहला माह कौन सा है?
10. केरल की राजधानी कहां है?

बच्चों, जीके क्विज-150 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-149 का उत्तर : 1.बिहार, 2.राजनाथ सिंह, 3.चंडीगढ़, 4.पोरबंदर (गुजरात), 5.प्रशांत महासागर, 6.कोलकाता में, 7.वेटिकन सिटी, 8.अकबर, 9.के-2, 10.हरिवंश राय बच्चन

जीके क्विज-149 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, सुमन-रायपुर, संकेत-बिलासपुर, आर्यन-रोहतक, प्रज्ञा-धमतरी, राहुल-बालोद, प्रिया-महासमुंद, गौतम-दिल्ली, कनक-बलौदा बाजार, त्रिशा-राजनांदगांव

कहानी

मंजरी शुक्ला

अबीर अपने मामा जी और दोस्त हर्षित के साथ पिकनिक मनाने के इरादे से नदी किनारे आया। लेकिन तीनों नदी के आस-पास का नजारा देखकर दुखी हो गए। असल में वहां गंदगी बहुत थी। तो क्या तीनों पिकनिक का इरादा छोड़कर वापस लौट गए या वहां कुछ अनहोनी हो गई?

मुस्कुरा उठी नदी

तुम्हारे मामा इतनी दूर से तुमसे मिलने आए हुए हैं और तुम अपने कमरे में बैठे हुए हो!' मामा जी यह कहते हुए एकाएक अबीर के सामने आकर खड़े हो गए।

अबीर खुशी से उनसे लिपट गया, 'अरे! आप कब आ गए मामाजी?' 'आया तो अभी हूं। आज हम नदी किनारे पिकनिक मनाने चलेंगे।' मामा जी अबीर के गाल पर प्यार से चपत मारते हुए बोले।

अबीर तुरंत बोला, 'मामा जी, मैं अपने दोस्त हर्षित के घर जाकर उसे भी ले आता हूं। वह भी हमारे साथ पिकनिक मनाने चलेगा।' थोड़ी ही देर बाद मामा जी के साथ कार में बैठकर अबीर और हर्षित पिकनिक के लिए निकल गए। दोनों मजे से मामा जी से बात करते हुए चले जा रहे थे। मामा जी ने बताया, 'मेरे गांव में नदी का पानी इतना स्वच्छ और निर्मल रहता है कि सभी लोग नदी के पास किसी घने पेड़ के नीचे बैठकर अपना सुख-दुःख बांटते हैं, प्रकृति के करीब काफी समय बिताते हैं फिर शाम तक घर लौटते हैं।'

अबीर बोला, 'अच्छा! मामा जी इसी तरह की और बातें भी हमें बताएं ना!' मामा जी ने अपने बचपन की यादों का पिटारा खोल दिया। बातों ही बातों में न जाने कितना समय निकल गया, कुछ पता ही नहीं चला।

तभी हर्षित खुशी से चिल्लाया, 'ठंडी हवा आने लगी है, मतलब हम नदी के पास पहुंच गए हैं।' मामा जी ने एक जगह रुक कर गाड़ी लॉक की और बोले, 'आज हम लोगों को बहुत मजा आएगा।' 'यहां तो एक अजीब-सी बदबू आ रही है।' अबीर ने नाक पर हाथ रखते हुए कहा। थोड़ा आगे बढ़े तो हर्षित बोला, 'लग रहा है यहां पर लोग पिकनिक मनाने नहीं बल्कि अपने घर का कूड़ा डालने के लिए आए हैं।' 'वह आंटी तो पूरा बैग भरकर प्लास्टिक और अगरबत्ती के पैकेट नदी के अंदर डाल रही हैं।' मामा जी उस ओर इशारे करते हुए बोले। 'चारों तरफ चिप्स और बिस्किट के पैकेट बिखरे पड़े हुए हैं।' हर्षित धीरे से बोला।

'हम लोग कहीं और चलकर पिकनिक मनाते हैं।' अबीर मुंह बनाते हुए बोला। हर्षित ने भी सहमति जताई, 'अबीर सही कह रहा है। हम इतनी गंदी जगह बैठ कर पिकनिक नहीं मनाएंगे। यहां बैठकर खाना-पीना दूभर हो जाएगा।'

लेकिन मामा जी तो अपने आप में खोए हुए एकटक नदी की तरफ देखे जा रहे थे। कुछ देर बाद वह बोले, 'यही नदी हमारे गांव तक भी जाती है। वहां इसका पानी इतना साफ होता है कि तुम्हें गहरे पानी की मछलियां भी तैरती हुई साफ नजर आएंगी। सच बात तो यह है कि नदी गंदी नहीं होती है। हम इंसान मिलकर उसे गंदा या साफ बनाते हैं।'

'पर हम कर भी क्या सकते हैं? अगर हम इन लोगों को समझाएंगे तो क्या ये हमारी बात सुनेंगे?' अबीर दुखी स्वर में बोला। अबीर की बात सुनकर मामा जी ने इधर-उधर देखा। वहां पर खड़ी पुलिस की एक गाड़ी पर उनकी नजर पड़ी। वह तेजी से गाड़ी की ओर बढ़ गए। हर्षित डर गया और अबीर से बोला, 'अब तो पुलिस वाले मामा जी को पकड़ लेंगे।'

'तू थोड़ा कम डरा कर।' अबीर अपने दोस्त हर्षित के गाल पर चपत मारते हुए बोला।

मामा जी जब बहुत देर तक पुलिस वालों से कुछ बात करते रहे तो हर्षित से न रहा गया, बोला, 'लगता है पुलिस वालों से मामा जी की बहस हो रही है। चलो, चलकर उन्हें बचाते हैं।'

एक ही पल बाद मामा जी पुलिस इंस्पेक्टर और उसके तीन सिपाहियों के साथ एक दूसरी ओर जाते हुए दिखे। सभी उन लोगों के पास पहुंचे, जो नदी में और उसके आस-पास गंदगी फैला रहे थे। सिपाहियों ने उन लोगों से न जाने क्या कहा कि उनकी बात सुनते ही सभी के चेहरों पर हवाइयां उड़ने लगीं। सबने तुरंत सारा कूड़ा उठाकर मैदान में एक ओर लगे कचरे के डिब्बों में फेंक दिया। कुछ लोग तो अपने आप नदी के किनारे से प्लास्टिक की बोतलें वगैरह उठाकर कूड़े के डिब्बों में डालने लगे, जो उन्होंने फेंकी भी नहीं थी। देखते ही देखते वहां सब साफ-सुथरा नजर आने लगा।

मामा जी एक पेड़ की छांव के नीचे खड़े होकर हंसते हुए बोले, 'तो अब इस स्वच्छ जगह पर बिछा लें हम लोग अपनी चटाई और शुरू करें पेट पूजा?' लेकिन अबीर मामा जी का हाथ पकड़ते हुए बोला, 'पहले आप बताएं कि आपने उन पुलिस वालों से क्या कहा?' 'जब मैंने पुलिस वालों को बताया कि नदी इतनी गंदी हो रही है, इसका पानी काला हो रहा है तो उन्होंने कहा कि हम तो बहुत मना करते हैं पर कोई मानता ही नहीं है।' 'फिर आपने क्या कहा?' हर्षित ने उत्सुकता से पूछा। 'तो मैंने कहा कि आप उनसे यह क्यों नहीं बताते कि यही पानी, प्रोसेस होने के बाद नलों के द्वारा उनके घरों तक जाता है।' मामा जी गंभीर स्वर में बोले। अबीर ने मासूमियत से पूछा, 'तो क्या सचमुच इस नदी का ही पानी हमारे घरों में आता है?'

'और क्या, तुम्हारे घर की पानी की टंकी को भरने के लिए क्या हर बार बरसात होगी?' मामा जी ने हंसते हुए कहा। मामा जी के साथ अबीर और हर्षित भी हंस पड़े। तीनों ने पेड़ की छांव में बहती ठंडी हवा में अपने साथ लाए भोजन का मजा लिया। जब वहां से उठने लगे तो मामा जी ने ध्यान दिया कि लोग खाना खाकर प्लास्टिक और डिस्पोजेबल प्लेट नदी में नहीं फेंक रहे थे बल्कि अपने साथ लाए थैलों में रख रहे थे।

मामा जी ने नदी की तरफ बहुत ही प्यार से देखा और खुशी के मारे अपनी नम आंखें पोंछ लीं। उन्हें लगा जैसे नदी मुस्कुरा रही है। नदी को लग रहा है कि वो अब हमेशा स्वच्छ-निर्मल रहेगी। *

कविता

देवी प्रसाद गौड़

धरती मां हम सबकी मां है

प्राण पले जिसकी गोदी में,
उस पृथ्वी को शीश झुकाएं।
कण-कण रहे सुगंधित इसका,
हरित क्रांति से धरा सजाएं।।
शुद्ध हवा से रोग मरेंगे,
पेड़ों पर चिड़िया चहकेंगी।
तन ताजा हो मन में मस्ती,
फूलों की बगिया महकेंगी।।
खाने को अन्न दिया तुमने,
पीने, अमृत जैसा पानी।
अमृत में विष नहीं घुलेगा,
बहुत हुई अब तक नादानी।।
दूर रहें नदियों से नाले
अलग व्यवस्था करनी होगी
हर जीवन पानी का प्यासा,
सबकी पीड़ा हरनी होगी।।
धरती की हर सांस प्रदूषित,
वर्षों से बीमार बेचारी।
धरती मां हम सबकी मां है,
समझें अपनी जिम्मेदारी।।
स्वच्छ रखेंगे सड़क जलाशय,
मिल-जुल कर करते श्रमदान।
शहर-नगर या गली गांव की,
इनसे बनती अपनी शान।।
हम भविष्य हैं इस पृथ्वी के,
सेवा है संकल्प हमारा।
जहरीला परिवेश हो गया,
पाना है इससे छुटकारा।।
रहें समर्पित जीवन भर,
फिर औरों को भी समझाएं।
एक रोज क्यों मने वर्ष में
हर दिन पृथ्वी दिवस मनाएं।।

रंग भरो-173

रंग भरो-173 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

समृद्धि, शहडोल

सौम्य, बालोद

अन्वीक्षा, दुर्ग

आस्तिका, चांपा

सार्थक, रायपुर

वैदिक, कोरबा

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, आदित्य-खैरागढ़, डिपल-दुर्ग, डिपल-दुर्ग, राशि-दुर्ग, सत्यम-रायपुर, अमन-कोरबा, साक्षम-बिलासपुर, दिव्या-रायगढ़, जतिन-रोहतक, काव्या-महासमुंद, जीविका-बलौदा बाजार, सौम्या-भोपाल, आद्या-हिसार, कुसुम-बिलासपुर, राशि-दिल्ली

रंग भरो 174

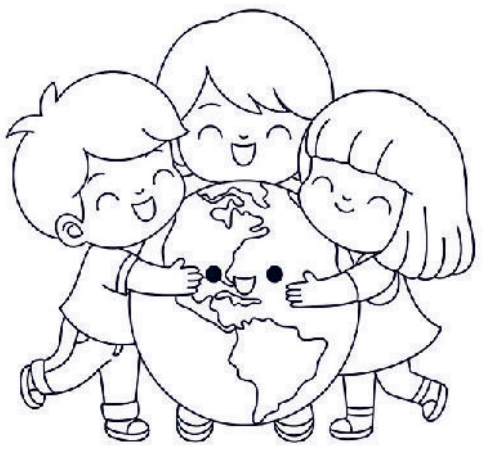

बच्चो, यहां पर 'पृथ्वी दिवस' से जुड़ा एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

पीएचसी पहुंचे एसडीएम चार गैर हाजिर मिले

लोहारू। गुरुवार को एसडीएम ने ढिगावा स्थित पीएचसी का निरीक्षण किया। अधिकारी ने कर्मचारियों की हाजिरी रजिस्टर की जांच की। इस दौरान चार कर्मचारी गैर हाजिर मिले। जिनके खिलाफ विभाग के मुख्यालय पर रिपोर्ट भेज दी है। जांच पड़ताल के दौरान डा. रिता ने एक दिन पहले की हाजिरी लगाई हुई थी,जबकि वह आज कार्यालय में नहीं थी। इनके अलावा राजेंद्र सिंह, पिंकी कुमारी तथा मनीष गैर हाजिर मिले। उनके बारे में अन्य कर्मचारियों से इनके बारे में पूछा तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। एसडीएम ने इस बारे में स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय पर सूचना भेज दी है।

नशा समाज को युवा वर्ग तथा बच्चों के लिए घातक

चरखी दादरी। हरियाणा राज्य बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग के सदस्य मांगेराम व मीना कुमारी द्वारा जिला बाल संरक्षण कार्यालय में स्टेक होल्डरों की मीटिंग ली। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य बाल भिक्षावृत्ति और नशा मुक्ति पर रहा। आयोग के सदस्य मांगेराम द्वारा बताया कि समाज में बाल भिक्षावृत्ति और नशा समाज को युवा वर्ग तथा बच्चों को प्रभावित कर रहा है । उन्होंने बताया कि बाल भिक्षावृत्ति और नशे को पूर्ण रूप से बंद करने हेतु सभी स्टेकहोल्डर को मिलकर प्रयास करने होंगे।

छात्रों ने खेलों में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार की दसवीं कक्षा की छात्रा सान्वी ने दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स शॉट पुट में स्वर्ण पदक प्राप्त करके न केवल विद्यालय का बल्कि अपने माता-पिता और हरियाणा राज्य का नाम भी रोशन किया है। छात्रा सान्वी खेलों के साथ-साथ पढ़ाई में भी एक मेधावी छात्रा हैं। इसके अतिरिक्त छात्रा का शॉट पुट एथलेटिक्स व डिस्कस थ्रो खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन होने के कारण केंद्रीय सरकार द्वारा संचालित भारतीय खेल प्राधिकरण में भी चयन हो गया है और यह सितंबर माह में पुणे व बेंगलुरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भी भाग लेगी। वहीं दूसरी ओर माध्यमिक विभाग में आठवीं कक्षा के छात्र नकुल ने उड़ीसा में आयोजित जूनियर नेशनल हैंडबॉल में कांस्य प्राप्त किया।

समाधान कर पोर्टल पर करें अपडेटः उपायुक्त

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में 46 नागरिकों की 46 समस्याएं सुनी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविर से संबंधित लंबित शिकायतों का तुरंत समाधान कर एटीआर पोर्टल पर जरूर अपडेट करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी के मौसम के चलते पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों को मौके पर ही निपटाने का हरसंभव प्रयास करें। उपायुक्त कौशिक ने शिविर में शिकायतों को सुना और निर्देश दिए।

युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए विधायक घनश्याम सर्राफ ने किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा जारी स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण, सड़क सुरक्षा और नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ के आवास पर पहुँचकर उन्हें तुलसी का पौधा भेंट किया और उनके आंगन में तुलसी का पौधा रोपित किया।

स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण एवं नशा मुक्त भारत को लेकर चला जागरूकता अभियान, विधायक बोले- हर घर में हो तुलसी का पौधा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा की गई पहल

जल बचत आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत : प्रेमलता

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज तथा शिक्षाविद सावित्री यादव ने विधायक घनश्याम सर्राफ एवं उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ को तुलसी का पौधा भेंट करते हुए स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण, अच्छे स्वास्थ्य और नशा मुक्त समाज की दिशा में जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना, जल की बचत करना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। विधायक घनश्याम सर्राफ व उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल बचत आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि तुलसी का पौधा न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे ऐसे अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं और समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएं। उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ ने भी इस मुहिम की प्रशंसा करते हुए इसे घर-घर तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तुलसी हमारे वातावरण और प्रकृति के लिए काफी लाभदायक है , तुलसी स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है।

भिवानी। तुलसी का पौधारोपित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सराहनीय कदम : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ व उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ ने कहा कि उपरोक्त संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा लंबे समय से जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अनूठी पहल की साथ काम किया जा रहा है यह सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि पॉट एंड प्लांट ड्रॉप वॉटर सेव मिशन 2025 , कैच द रेन , जल जीवन मिशन व एक पौधा मां के नाम जैसे संयुक्त अभियानों का उद्देश्य प्रकृति और जल संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करना है। ये पहलें हर नागरिक को जल बचाने, वर्षा जल संग्रहण को बढ़ावा देने और पर्यावरण की रक्षा हेतु पौधारोपण को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पौधा मां के नाम लगाकर हम न केवल पर्यावरण का संरक्षण करते हैं, बल्कि मातृत्व को भी सम्मान देते हैं। मिलकर जल और जीवन रक्षा करें और भावी पीढ़ी को स्वस्थ्य भविष्य दें।

पानी की कमी और बिजली कटौती का विरोध

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने किया प्रदर्शन, डीसी को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी भिवानी की ओर से शहर व विभिन्न गांव में पीने के पानी की कमी व बिजली कटौती को दूर करवाने तथा टोल टैक्स , बिजली दरें , पैट्रोल डीजल व गैस के बढ़ाए गये दामों को वापिस लेने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय भिवानी के सामने जोरदार प्रदर्शन किया जिसमें सैकड़ों महिला व पुरुषो ने भाग लिया तथा जिला उपायुक्त महाबीर कौशिक को तीन ज्ञापन दिए तथा चौथा ज्ञापन किसानों की समस्या समाधान बारे दिया। प्रदर्शन की अध्यक्षता पार्टी सचिव मण्डल सदस्य सुखदेव पालवास ने की। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड ओम प्रकाश ने कहा कि शहर की लेबर कालोनी, चिरंजीव कालोनी, खरकड़ी फाटक के पास फ्रेंडस कालोनी की 12 नम्बर गली , विद्या नगर की हनुमान मंदिर वाली गली के अन्तिम छोर व पिपली वाली जोहड़ी व राजीव कालोनी में पिछले काफी दिनों से पीने का पानी नहीं आ रहा है । इन कालोनी की महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । इसी तरह पूर्णपुरा , नांगल , उमरावत , निमड़ीवाली व पहलाद गढ़ में पीने का पानी नहीं आ रहा है , बामला गांव में पानी की लाइनें टूटी हुई हैं , थोड़ा पानी आता है , वह बेकार गलियों में बह जाता है । नागरिक हस्पताल के पास पानी लीकेज बंद नहीं किया जा रहा है , पंडित नेकीराम शर्मा स्टेच्यू की चार दीवारी टूटी हुई है , बार बार अपील करने के बाद भी नगर परिषद उसे ठीक नहीं करवा रहे हैं।

भिवानी। शहर में जुलूस निकालते प्रदर्शनकारी। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी। धरने पर बैठे प्रदर्शनकारी। *फोटो : हरिभूमि*

पीएम को भेजा पत्र

ओम प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर बढ़ाई गई बिजली दर कम करने , कोशल रोजगार निगम से हटाए गये कर्मचारी वापिस करवाने , क्षेमा कम्पनी ने 350 करोड़ रुपये बीमा घोटाले की जांच करवाने तथा आंगनबाड़ी कर्मियों की मांग मानने के लिए लिखा है, वहीं प्रधानमन्त्री को बढ़ाए गये पैट्रोल डीजल , टोल टैक्स व गैस के दाम कम करने के लिए ज्ञापन भेजा है । आज के कार्यक्रम में माकपा नेता कामरेड अनिल कुमार, करतार ग्रेवाल, मास्टर जग रोशन, रामफल देशवाल , मास्टर वजीर सिंह, महिला नेत्री सन्तोष देशवाल, बिमला घनघस, मास्टर शेरसिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

लूटपाट का आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

थाना सदर पुलिस मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने के बहाने चांदी की चैन, मोबाइल फोन छीनने के मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिल जानकारी के अनुसार पुलिस ने राहगीर को लिफ्ट देकर उससे चांदी की चेन व मोबाइल फोन छीनने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । रोहित निवासी महम ने थाना सदर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 14 अप्रैल को हंसावास खुर्द में एक शादी समारोह में आया था। जो 15 अप्रैल को वापस महम जाने के लिए भिवानी पहुंचने पर हीरो होंडा चौक महम रोड भिवानी पर वाहन का इंतजार कर रहा था तभी दो लड़के एक मोटरसाइकिल पर आए, जिनसे शिकायतकर्ता के द्वारा लिफ्ट लेने पर दोनों मोटरसाइकिल चालक कालुवास गांव के पास रेलवे लाइन पर बने पुल को क्रॉस करने के बाद मोटरसाइकिल को खेतों में ले गए खेत में पहुंचने पर मोटरसाइकिल सवार लड़कों ने अपने तीन और अन्य साथियों को खेत में बुला लिया था। इसके बाद शिकायतकर्ता के साथ मारपीट करके शिकायतकर्ता की चांदी की चेन, एक मोबाइल फोन व 100 छीन कर ले गए थे। जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में दर्ज किया था। पुलिस ने अभियोग में प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

भिवानी। पुलिस हिरासत में लिफ्ट देकर लूटने का आरोपी।

आमजन का जीवन सुधारना भाजपा का उद्देश्य : वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक प्रत्येक छोटी से छोटी सुविधाएं पहुचाने के लिए कृत संकल्पित है। जिसके लिए जमीनी स्तर पर प्रयास कर रहे है। जिसका उदाहरण राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने एक बार फिर से अपने दौरे के दौरान गांव मालवास व देवसर कोहाड़ में करोड़ों रूपये की लागत से जलघर के निर्माण की घोषणा कर दिया है। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि राज्यसभा सांसद की घोषणा अनुसार जलघर का निर्माण होने से ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ मूलभूत सुविधाएं मुहैया होगी तथा उनका जीवन स्तर भी सुधरेगा। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का प्रयास है कि नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल मिले। उन्होंने कहा कि सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी नागरिकों को सुविधाएं मुहैया करवाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को योजना का लाभ मिले।

गर्मी में पानी की करें बचत : एसडीएम

तोशाम। एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने आमजन से जल संरक्षण का आह्वान करते हुए पानी का जरूरत अनुसार उपयोग करने पर बल दिया है। एसडीएम ने आमजन से जल को बचाने की अपील की है। जल है तो कल है, इसलिए अगली पीढ़ी के लिए पानी की एक-एक बूंद बचाना बेहद जरूरी है। गर्मी के चलते पानी की खपत बढ़ने के मद्देनजर एसडीएम द्वारा नागरिकों से पेयजल की बचत करने की अपील की गई है। एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने उपमंडल वासियों से जल संरक्षण का आह्वान करते हुए पानी का जरूरत अनुसार उपयोग करने पर बल दिया है। एसडीएम ने कहा कि जल है तो कल है। एसडीएम ने नागरिकों से आह्वान किया है वे पानी को व्यर्थ न बहाएं।

चेयरमैन बोले सभी वादे पूरे करेंगे

- बवानी खेड़ा नगर पालिका के नवनियुक्त चेयरमैन सुंदर अत्री ने क्षेत्र में धन्यवादी दौरा किया, बोले सभी मुद्दों को हल किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा नगर पालिका के नवनियुक्त चेयरमैन सुंदर अत्री द्वारा अपने धन्यवादी दौरे को बदस्तूर जारी रखा हुआ है। सभी 16 वार्डों में मिले अपार समर्थन से मिली जीत से एक तरफ वे काफी गदगद हैं तो वहीं शीर्ष नेताओं का भी दौरे करके जनता को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करने को लेकर उनका आभार जताना नहीं भूलते। उन्होंने ढ़ाणी यादव हनुमान मंदिर में धन्यवादी दौरे में कहा कि उन्होंने जो वायदे किए वे पूरे किए जाएंगे वे बंद फाटक अंडर ब्रिज का मुददा हो या सीवरेज, स्वच्छ जल, स्ट्रीट लाइट, सफाई व्यवस्था, तीसरी आंख, नशामुक्त शहर सहित अन्य जो भी वायदे हैं उन्हें पूरा करने की रणनीति बनाई जा रही है। वहीं कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि, समाजसेवी एवं प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार ने मा. संदीप शर्मा, देवेन्द्र कुमार सहित अनेकों की मौजूदगी में बताया कि हर वायदे को पूरा किया जाएगा।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका के नवनियुक्त चेयरमैन सुंदर अत्री द्वारा अपने धन्यवादी दौरे में संबोधित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

आलमपुर स्कूल में पुरस्कार वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राजकीय उच्च विद्यालय आलमपुर, तोशाम (भिवानी) में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन विद्यालय प्रांगण में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वर्धमान ज्वैलर्स एवम हमारा अपना फाउंडेशन के संस्थापक सचिन जैन व विद्यालय के मुख्य अध्यापक जय सिंह एवम ग्राम के सरपंच राजेन्द्र श्योराण की अध्यक्षता में किया गया। हमारा अपना फाउंडेशन के सीईओ, एसके सिंह व कोर कमेटी के अध्यक्ष आरपी ओला , ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। ग्राम के तीन राजकीय स्कूल बाल वाटिका, कन्या प्राथमिक व उच्च विद्यालय के वार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार पर जिन सभी विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लिया है उन सभी को मैडल व फूल मालाएं पहनाकर /"हमारा अपना फाउंडेशन/" की तरफ से सम्मानित किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति का विकास कर सकती है। शिक्षा ही हमारे विकास एवम उन्नति का सबसे उत्तम साधन है । विद्या एक ऐसा धन है जिसको कोई छीन नहीं सकता चुरा नहीं सकता। विद्यार्थियों को अन्य गतिविधियों में भाग लेना चाहिए।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कार देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

लक्ष्य पाएं विद्यार्थी

सरपंच राजेन्द्र ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्होंने कहा कि हमें अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। इस समारोह में एचएएफ के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के प्रधान देवेन्द्र अत्रि, सुरेंद्र, विजेंद्र, धर्मवीर, राज बाला व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

15 जून तक पूरे करें कार्य : डीसी

- उपायुक्त ने सड़कों की मरम्मत कार्य की विभागों के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

डीसी महावीर कौशिक ने जिला में सडक़ों की मरम्मत का कार्य बारे संबंधित विभागों के अधिकारियों के सतह समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार के निर्देशानुसार आगामी 15 जून तक सम्बंधित विभागों के अधिकारी पूरे करना सुनिश्चित करें। डीसी ने चारों उपमंडल के एसडीएम, सीटीएम और एस्टेट आफिसर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डीसी महावीर कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से हर पथ पोर्टल की समीक्षा सीधी की जा रही है। उपायुक्त महावीर कौशिक वीरवार को डीआरडीए हाल में आयोजित समीक्षा बैठक में सडक़ निर्माण से संबंधित लोकनिर्माण विभाग, मार्केटिंग बोर्ड और जिला परिषद के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी सरकार द्वारा निर्धारित 15 जून तक समयावधि के दौरान जिला में सडक़ों की मरम्मत का कार्य करवाएं।

मार्केटिंग बोर्ड और पंचायती राज की सड़कें अपलोड

सभी नोडल अपने अपने इलाकों में हर पथ पोर्टल पर डाले गए विकास कार्यों की पूरी समीक्षा करना सुनिश्चित करें। हर पथ पोर्टल की मुख्यमंत्री कार्यालय से सीधी समीक्षा की जा रही है। इस पोर्टल पर मार्केटिंग बोर्ड और पंचायती राज की सभी सडक़ों को अपलोड किया गया है। जिला में की सडक़ों को गड्ढा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित जीआईएस- आधारित हरपथ एप पर आमजन प्रदेश में क्षतिग्रस्त सडक़ों या सडक़ों में गड्ढों की शिकायत दर्ज कर सकेंगे। इससे त्वरित निपटान सुनिश्चित करते हुए सडक़ों का सुधार किया जाएगा। डीसी ने कहा कि भिवानी नगर परिषद और नगर पालिका बवानी खेड़ा, सिवानी और लोहारू के सभी नालों की साफ-सफाई बारिश के मौसम से पहले करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में एडीसी डॉ मुनीष नागपाल, सीईओ जिला परिषद अजय चौपड़ा, सीटीएम अनिल कुमार, एचएसवीपी एस्टेट आफिसर्स विजया मलिक सहित पीडब्लूडी बी एण्ड आर, कृषि विपणन बोर्ड और जिला परिषद सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने विवि दफ्तर के बाहर लगाए पोस्टर

अधिकारियों पर लगाए काम न करने का आरोप

- छात्रों को बार-बार दिए जा रहे जीरो नंबर, विद्यार्थियों ने सीबीएलयू में की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की रिजल्ट व एग्जाम से संबंधित समस्याओं को लेकर एनएसयूआई के बैनर तले विवि के कंट्रोलर आफ एग्जामिनेशन दफ्तर के बाहर छात्रों ने नारेबाजी की और यूनिवर्सिटी प्रशासन को चेताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मांगों के पोस्टर भी दफ्तर के बाहर चिपकाए। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा बच्चों के चक्कर कटवाए जा रहे हैं और न सही समय पर एग्जाम हो रहे और न रिजल्ट जारी हो रहे।

भिवानी। विवि में अधिकारियों के काम न करने के पोस्टर लगाते एनएसयूआई कार्यकर्ता व विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

रिजल्ट में गड़बड़ी और देरी हो रही

विद्यार्थियों की समस्याओं में रिजल्ट में गड़बड़ी, रिजल्ट में देरी और एग्जाम करवाने में देरी आदि समस्याएं यूनिवर्सिटी में देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी एग्जाम में 30 में से 52 नंबर दिए गए हैं तो किसी बच्चे के बार-बार एग्जाम देने के बाद भी हर बार 0 मार्क्स दिए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और कॉलेज प्रशासन से कोई तालमेल नहीं बैठ रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों की समस्याओं को जल्दी ठीक नहीं करवाया तो वह मई माह में बड़ा प्रदर्शन कर भूख हड़ताल शुरू कर देंगे। महाविद्यालय व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनके रिजल्ट में गड़बड़ी कर दी गई है। 2021 से अब तक उनके प्रैक्टिकल मार्क्स नहीं अपडेट किए गए और रिजल्ट में हर बार 0 अंक दे देते हैं तो किसी छात्र का रिजल्ट रोक दिया जाता है। सीबीएलयू के कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन पवन गुप्ता ने बताया कि जिन बच्चों के रिजल्ट या एग्जाम में दिक्कत होती है तो बच्चों से बात करके रिजल्ट ठीक करवाया जाता है, अगर कॉलेज प्रशासन कोताही बरतता है तो कॉलेज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

बच्चों उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया

चरखी दादरी। गांव खेड़ी बत्तर राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का अयोजन मुख्य अध्यापिका पूनम बुरा की अध्यक्षता में किया गया। बच्चों को जीवन में उच्च शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही उन्हें समाज के लिए सकारात्मक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विज्ञान अध्यापक रवीन्द्र सांगवान ने अपने पिता की याद में अपने निजी कोष ये बच्चों को दैनिक कार्य नोट करने हेतु डायरियां वितरित की गई। मुख्याध्यापिका पूनम बूरा ने इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई का महत्व समझना चाहिए।

डॉ. राधाकृष्णन सच्चे अर्थों में थे युग द्रष्ठा

भिवानी। वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में महान दार्शनिक, शिक्षक, राजनेता एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनके महान कार्यों के लिए याद किया गया। स्कूल प्रबंधन समिति के महासचिव डॉ. पवन कुमार बुवानीवाला ने बताया कि शिक्षा के द्वारा ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है। शिक्षा ग्रहण करने की बात पर बुवानीवाला ने कहा की जहाँ कही से भी कुछ सीखने को मिले उसे जीवन में उतार लें। स्कूल प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ ने कहा कि राधाकृष्णन बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी थे।

सांसद के पीएसओ के पिता की पुण्यतिथि पर हवन

चरखी दादरी। सांसद धर्मबीर सिंह के पीएसओ अनिल पिलानियां के पिता दिवंगत सूबेदार आशाराम पिलानिया की सातवीं पुण्यतिथि पर गांव डाढ़ी बाना में उनके पैतृक निवास पर हवन यज्ञ आयोजित किया। दिवंगत सुबेदार आशाराम पिलानिया देश के लिए 1965 व 1971 के युद्धों में लड़ चुके थे और हमेशा युवाओं को देशहित के लिए सैनिक की भांति काम करने को प्रेरित करते थे।

पार्थ का योग सबसे बेहतरीन, मानसी रही लड़कियों में अव्वल

- योग से रहे निरोग,स्वस्थ बुद्धि,चित का रहे सहयोग: शिवकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में योग करती एक प्रतिभागी।

गुरुवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय योग ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने लचीलेपन बॉडी का प्रदर्शन किया। कई प्रतिभागियों ने तो गजब का प्रर्दशन करते हुए शरीर को कई हिस्सों में मोड़ दिया। इस तरह का एक नहीं अनेक प्रतिभागियों ने अपने इस हुनर का प्रदर्शन किया। बच्चों के इस तरह के लचीलेपन को देखकर शारीरिक शिक्षक व शिक्षा अधिकारियों के मुख से बर्बस वाह शब्द निकलने लगे। करीब पांच घंटे तक हॉल में आयोजित योगा प्रतियोगिता का आयोजन होता रहा। ब्लाक स्तर के सभी कलेस्टर से आए बच्चों ने अपनी स्पर्धा का बेहतरीन हुनर का नमूना पेश किया। बच्चों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते तालियों की गड़गड़ाहट से हाल गूजंने लगा। बाद में खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की।

नियमित योग करें

प्रतियोगिता में बतौर मुख्यअतिथि भिवानी के खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर शामिल हुए। अधिकारी के वहां पर पहुंचने पर प्राचार्या सविता घनघस, शारीरिक शिक्षक व बच्चों ने अधिकारी का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या सविता घणघस ने की और इस अवसर पर प्राचार्य पवन शास्त्री भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में लड़के व लड़कियों की टीमें पहुंची थी। बीईओ ने सभी प्रतिभागियों का परिचय लेकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी योग के हुनर का प्रदर्शन करना आरंभ कर दिया। मुख्यअतिथि शिवकुमार तंवर ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के संतुलन को स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि आज के जमाने में हर व्यक्ति का जीवन तनाव से भरा है। योग से ही स्वस्थ मन, बुद्धि व चित बनाया जा सकता है। मन की शांति कायम की जा सकती है। हर रोज हर व्यक्ति को नियमित योग करना चाहिए। ताकि वह निरोग रह सके। स्कूलों में हर रोज सुबह के वक्त योग करवाया जा रहा है।

प्रतिभागियों को बधाइ दी

आयोजित प्रतियोगिता के कक्षा 6 से 8 के लडकों के वर्ग में पार्थ प्रथम, शंकर द्वितीय, आरुष तृतीय व धूव जीएमएस नौरंगाबाद चौथे स्थान पर रहे। कक्षा 6 से 8 में लड़कियों के वर्ग में मानसी प्रथम, तरीश कोठारी द्वितीय, समृद्धि तृतीय व दीपिका नौरंगाबाद चौथे स्थान पर रही। कक्षा नौ से दस में लड़कों वर्ग में रामभगत पहले, दीपांशु दूसरे तथा हनी तीसरे व वंश चौथे स्थान पर रहे। इसी कक्षा वर्ग में प्रिया पहले, इसिका दूसरे, अंजलि ग्रेवाल तीसरे तथा सोनाक्षी चौथे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के आल ओवर इंचार्ज शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में भिवानी खंड के 23 कलेस्टरों से करीब सौ प्रतिभागी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंचे। उक्त प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी 21 अप्रैल को जिला स्तर पर होने वाली योग ओलपियांड में भाग लेंगे। इस अवसर पर प्राचार्या सविता घणघस ने सभी प्रतिभागियों को बधाइ दी तथा योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया। इस मौके पर विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ये रहे निर्णायक मंडल में शामिल: प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अनुशासन समिति से सुनील कुमार, पीटीआई कोहड़, मदन गोपाल प्रवक्ता, सुधीर मलिक, पवन कुमार प्रवक्ता, रविंद्र डीपीई तालु, सुशील दहियाआदि का विशेष योगदान रहा। निर्णायक मंडल में सुनील कुमार प्रवक्ता कन्वीनर, विरेंद्र सिंह,मोतीलाल जांगड़ा,पुष्पा देवी, सरिता डीपी आदि शामिल थे।

लघु सचिवालय के क्रीड भवन में मूलभूत सुविधाओं का टोटा

फरियादियों को नहीं मिलता पीने का पानी सफाई के अभाव में शौचालय मार रहे बदबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। क्रीड भवन में बने वॉशरूम में फैली गंदगी व बदबू का आलम व लघु सचिवालय के क्रीड भवन परिसर में फैली गंदगी व लघु सचिवालय के क्रीड भवन के प्रवेशद्वार की सीढ़ियों पर नहीं हो रही साफ सफाई। **फोटो: हरिभूमि**

डूबते को तिनके का सहारा वाली कहावत आपने जरूर सुनीं होगी, लेकिन यहां कहानी इसके बिल्कुल विपरीत हैं, क्योंकि शहर की जनता अपनी समस्याओं का समाधान करवाने के लिए अधिकारियों के मुहं की तरफ देखती हैं, लेकिन यहां खुद अधिकारी ही समस्याओं में फंसे हैं। जी हां हम बात कर रहे अतिरिक्त उपायुक्त के अधीन संचालित क्रीड भवन (सिटीजन रिसोर्स इं फो र मे श न डिपार्टमेंट) की, जहां पर परिवार पहचान पत्र कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय और सेटेलाइट मैपिंग कार्यालय हैं।

- बिल्डिंग परिसर में बने वॉशरूम की नहीं होती सफाई, टॉटी से रिसता पानी व फैली रहती गंदगी

तीनों कार्यालयों में प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में फरियादी आते हैं, लेकिन बिल्डिंग में न पीने को पानी, न सफाई व्यवस्था और न ही शौचालय एवं वॉशरूमों की साफ-सफाई हैं, जहां आपको हर तरफ मूलभूत सुविधाओं का अभाव नजर आएगा।

उल्लेखनीय हैं कि लघु सचिवालय परिसर में क्रीड भवन हैं, जहां पर प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या फरियादी अपने समस्याओं के समधान करवाने की फरियाद लेकर आते हैं और उन्हें यहां आकर भी वहीं समस्याएं नजर आती हैं, जिसे देखकर एक बार तो वे जरूर सोचते हैं कि जो खुद समस्याओं से घिरे हैं वो हमारी समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे, लेकिन फिर भी फरियादी अधिकारी के मुहं को ताकता हैं और समस्याओं के समाधान की आस रखता हैं। भवन में फैमिली आईडी डिपार्टमेंट (परिवार पहचान पत्र कार्यालय) व प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित कार्यालय हैं, जिनमें अक्सर भारी भीड़ रहती हैं, इसके बावजूद यहां साफ सफाई का अभाव हैं और जिसकी महज हालत देखकर ही अंदाजा लगा सकते हैं। इसके अलावा बिल्डिंग में जैसे ही आप अंदर प्रवेश करेंगे तो आपको सीढ़ियों पर गंदगी का आलम नजर आएगा और फर्श पर आपको फर्श कम गंदगी ज्यादा देखेगी। परिसर में बने शौचालय व वॉशरूम की हालत देखकर तो आप दंग ही रह जाएंगे, जहां बदबू व गंदगी आलम हैं और हालत बहुत ही बदहाल हैं। वॉशरूम व शौचालय की बदबू इतनी ज्यादा हैं कि वहां आप एक मिनट भी ठहर नहीं सकते। बिल्डिंग परिसर में पीने के लिए पानी तक की सुविधा नहीं हैं, जबकि समस्या लेकर आने वाले परियादियों को घंटों इंतजार करना पड़ता हैं।

शौचालय में जाने से कतराते हैं लोग

बिल्डिंग में बने कार्यालयों में कार्य करवाने आने वाले फरियादियों के साथ साथ कार्यरत कर्मचारी भी वॉशरूम व शौचालय में जाने से कतराते हैं, क्योंकि बदबू व गंदगी इतनी ज्यादा हैं कि आपकी सेहत खराब हो सकती हैं। फरियादी संदीप, कुलदीप, रोबिन, भगवानदास, संजय, कृष्ण ने बताया कि शहरवासी मूलभूत सुविधाओं का अभाव झेल रहे हैं, कभी पानी की दिक्कत, कहीं बिजली की समस्या बनी रहती हैं। इसके अलावा शहर में जगह जगह सीवरेज ब्लॉकेज की समस्या बनी रहती हैं तो जनता अधिकारियों से समाधान की गुजार लगाते हैं और यहां अधिकारियों की नाक के नीचे जनसमस्याओं का अंबार लगा हैं और कोई देखने वाला तक नहीं हैं।

प्रवेशद्वार पर ही गंदगी

शहरवासी जिन अधिकारियों से शहर को स्वच्छ रखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं, उन्हीं अधिकारियों की नाक के नीचे लघु सचिवालय के शौचालय एवं वॉशरूमों में गंदगी व बदबू का आलम हैं। इन शौचालयों का सीवरेज सिस्टम ठप हैं या फिर कोई ओर समस्या, ये देखने की किसी ने जरूरत नहीं समझी। वॉशरूम व शौचालय बदबू मार रहे हैं और फर्श पर गदंगी जमा हैं। वहीं वॉशरूम व शौचालयों में उपकरण टूटे हैं और रिसाव हो रहे हैं, जिससे फर्श पर पानी जमा रहता हैं, जिसकारण इनके अंदर घुसना भी दूभर हो गया है। इससे भी बड़ी बात ये हैं कि भवन के प्रवेशद्वार पर ही इतनी ज्यादा गंदगी हैं, जिसे देखकर लगता हैं कि शायद ही कभी सफाई होती होगी।

पर्यावरण प्रहरी लोकराम ने कन्यादान के रूप में भेंट किए 101 पौधें

भिवानी। पौधें भेंट पर्यावरण प्रहरी। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। शादी के पावन अवसर को सिर्फ पारंपरिक नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ा एक यादगार पल बनाते हुए पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने बिलसवाल निवासी श्याम श्योराण की बेटी दीपिका की शादी में कन्यादान के रूप में 101 पौधे भेंट किए। ये अनूठा हरित कन्यादान समाज में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में सामने आया। लोकराम की पहल का स्वागत व प्रशंसा करते हुए त्रिवेणी बाबा ने कहा कि शादी सिर्फ दो जीवनों का मिलन नहीं होती, बल्कि यह एक नई शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने इस विशेष अवसर पर परिवार और रिश्तेदारों के बीच पौधों के महत्व और संरक्षण की भावना को उजागर किया है। यह पहल समाज के लिए एक मिसाल है। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा व रिटायर अधीक्षक दर्शनानंद ने कहा कि हमारी खुशियों की जड़ें पेड़-पौधों में है, इस पहल का उद्देश्य शादी जैसे शुभ अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को हरियाली से जोडना था। उन्होंने कहा कि जब हर कोई शादी में यादगार गिफ्ट देने की कोशिश करता है, तो क्यों न हम कुछ ऐसा करें जो समाज के लिए भी फायदेमंद हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। वहीं दीपिका और उनके पति ने भी पहल का समर्थन किया। समारोह के अंत में दीपिका के पिता ने मेहमानों को भी एक-एक पौधा भी भेंट किया गया, जिससे वे भी इस हरित अभियान का हिस्सा बन सकें। इस अवसर पर रिटायर अधीक्षक दर्शनानंद, अधिवक्ता करण सिंह नेहरा, राम सिंह नेहरा, शंकर नर्सरी, संचालक चंद्रमोहन, जयभगवान माली, प्रवक्ता रचना नेहरा, संतोष देवी आदि मौजूद रहे।

- प्रकृति के संरक्षण से जोड़कर की गई नई शुरूआत बन जाती है और भी पवित्र: बाबा

सबसे बड़ा दान होता है रक्तदान: शांडिल्य

- विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर वैश्य महाविद्यालय भिवानी में शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाते सीएमओ। **फोटो: हरिभूमि**

वैश्य महाविद्यालय भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 के द्वारा विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के नेतृत्व एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा नेहरा के संयोजन में डॉ. अम्बेडकर भवन बैंक कॉलोनी भिवानी में किया गया। रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रघुबीर शांडिल्य,वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल, डीन एकेडमिक डॉ नरेंद्र चाहर, जांगडा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ सुभाष जांगडा,कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा नेहरा ने स्वयंसेवी रक्तदाताओं को बेज लगाकर किया। रक्तदान शिविर में 51 युवाओं ने रक्तदान के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया।

रक्त का विकल्प नहीं

अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने कहा कि इस तरह के रक्तदान शिविर से जरुरत मंदो तक रक्त पहुंचता है जो कि सबसे पुनीत कार्य है। उन्होंने बताया कि इस तरह के शिविरों में युवाओ को बढ़ चढ़ कर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रघुबीर शांडिल्य ने कहा कि रक्त की एक बूंद असहाय को नया जीवन प्रदान करती है। रक्तदान से बढ़कर दूसरा कोई दान नहीं है। उन्होंने कहा कि रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। उन्होनें कहा कि सभी चीजों का विकल्प होता है, लेकिन रक्त का दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

भिवानी। युवा पीढ़ी को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश देने के साथ उनका ध्यान खेलों की तरफ आकर्षित करने के उद्देश्य से आईसीएस कोचिंग द्वारा 18 अप्रैल शुक्रवार को भिवानी-हांसी रोड स्थित जी लिट्रा खेल मैदान में सात दिवसीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा।

आईसीएस तोशाम के निदेशक मनजीत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता 18 अप्रैल से शुरू होकर 24 अप्रैल तक चलेंगी। उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा तथा शुभारंभ पर आईसीएस के निदेशक परिमल व बबीता शिरकत करेंगे। इस दौरान हरियाणवी कलाकार भी प्रस्तुतियां देंगे।

कक्षा प्रथम में राधा ने मारी बाजी

- संस्कार पब्लिक स्कूल में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। संस्कार पब्लिक स्कूल में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

वीरवार को सुभाष चौक स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी लेखन कला का प्रदर्शन कर सुंदर एवं शुद्ध लेखन प्रस्तुत किया। परिणामस्वरूप विभिन्न कक्षाओं से श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया। कक्षा प्रथम में राधा प्रथम, भावना द्वितीय तथा अथर्व तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा द्वितीय से अनिका प्रथम, डिंपल द्वितीय एवं जिगर तृतीय स्थान हासिल किया।

कक्षा तृतीय में रुद्राक्षी ने प्रथम, दिव्यांशी द्वितीय तथा तनीषा तृतीय स्थान पर रही। चौथी से विशाल प्रथम, सम्राट द्वितीय तथा नैंसी तृतीय स्थान पर रही। वहीं पांचवी में संध्या प्रथम, रिया द्वितीय तथा वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक डॉ. सुभाष जैन ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल विद्यार्थियों की लेखन क्षमता को बढ़ाती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी उत्पन्न करती हैं। मुख्याध्यापिका अर्चना शर्मा ने कहा कि सुंदर लेखन व्यक्ति के व्यक्तित्व का आईना होता है।

अब तक 56,642 क्विंटल सरसों आई 40,000 क्विंटल की हो चुकी है खरीद

- ढिगावा मंडी में 273489 क्विंटल सरसों आई और 157046 किवंटल सरसों की हुई खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि लोहारू की अनाज मंडी में वीरवार तक 56642 किवंटल सरसों की आवक हुई है। जबकि 40000 किवंटल सरसों की खरीद की गई है और 12000 क्विंटल का उठान हुआ। ढिगावा मंडी में 273489 क्विंटल सरसों की आवक हुई और 157046 किवंटल सरसों की खरीद की गई। 100000 क्विंटल सरसों का उठान हुआ।

एसडीएम ने कहा कि सरसों खरीद का कार्य पूर्ण पारदर्शिता से किया जाए। किसान को अपनी फसल बेचने में कोई भी असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खरीद के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी आदेशों की पालना सुनिश्चित करें।

एमएसपी पर हो रही है खरीद

मार्केट कमेटी के सचिव अनिल कुमार ने बताया कि वीरवार तक लोहारू की अनाज मंडी में 56642 किवंटल सरसों की आवक हुई है। जबकि 40000 किवंटल सरसों की खरीद की गई है और 12000 क्विंटल का उठान हुआ। ढिगावा मंडी में 273489 क्विंटल सरसों की आवक हुई और 157046 किवंटल सरसों की खरीद की गई। 100000 क्विंटल सरसों का उठान हुआ। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा 5950 रूपये प्रति क्विंटल एमएसपी सरकारी रेट से खरीद की जा रही है। मार्केट कमेटी के सचिव अनिल कुमार ने बताया कि लोहारू की अनाज मंडी में 31984 क्विंटल गेहूं की आवक हुई जबकि 27034 क्विंटल गेहूं की बिडिंग की गई। ढिगावा की अनाज मंडी में वीरवार को 23431 क्विंटल गेहूं की आवक हुई जबकि 14389 क्विंटल गेहूं की बिडिंग की गई। उन्होंने बताया कि मंडी क्षेत्र का कोई भी किसान अपनी फसल सरकारी रेट पर मंडी में भेज सकता है बशर्ते की उसने अपनी फसल का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाया गया हो।

जाम की चेतावनी महिलाओं ने उपायुक्त को दूषित पानी दिखा उठाई समाधान की मांग

पब्लिक हेल्थ विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में फैल रही बीमारियां: पार्षद

दूषित पेयजल सप्लाई से चेजारान ढाणी निवासी परेशान, डीसी के दरबार पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। डीसी कार्यालय के सामने विरोध जताती चेजारान ढाणी की महिलाएं।

वार्ड नंबर-25 के चेजारान ढ़ाणी में इन दिनों दूषित पेयजल की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते क्षेत्रवासी खासे परेशान है तथा उन्हें महामारी फैलने का भय सता रहा है। समस्या का समाधान करवाने को लेकर महिलाएं वीरवार को एक बार फिर से वार्ड-25 के पार्षद विनोद प्रजापति के नेतृत्व में उपायुक्त से मिलने पहुंची और समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान क्षेत्रवासी सप्लाई में आए दूषित को बोतल में भरकर उपायुक्त कार्यालय तक पहुंचे, ताकि उपायुक्त को उनकी स्थिति का अंदाजा लग सकें। वार्ड नंबर-25 के पार्षद विनोद प्रजापति ने बताया कि चेजारान ढ़ाणी गली नंबर-2 में पिछले कई दिनों से दूषित पेयजल सप्लाई की समस्या बनी हुई, जिसके समाधान की मांग कई बार अधिकारियों को की जा चुकी।

जेई फोन तक नहीं उठाते

उन्होंने कहा कि पब्लिक हैल्थ के जेई फोन तक नहीं उठाते। पार्षद विनोद ने कहा कि उनके वार्ड में पेयजल, सीवरेज, लटकती बिजली की तारों की समस्या बनी हुई है, जिसके समाधान की मांग क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर उन्होंने उपायुक्त के समक्ष उठाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समस्याओं के समाधान के लिए ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करवाने की बात कहते है, जबकि क्षेत्रवासियों ने चार बार ऑनलाइन समस्या दर्ज करवाई है, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ। पार्षद विनोद ने कहा कि पब्लिक हैल्थ विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में दूषित पेयजल सप्लाई के चलते बीमारियां फैल रही है, ऐसे में क्षेत्र में बीमारियां के फैलने से रोकने के लिए पहले पब्लिक हैल्थ विभाग पर नकेल लगानी होगी। उन्होंने कहा कि उपायुक्त ने पहले की तीन बार की तरह समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन व जनस्वास्थ्य विभाग को चेतवनी दी कि उनकी पेयजल संबंधी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे दादरी गेट रोड पर जाम लगाने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर रीना, मीना, राधा, सुनीता, राधा, भीमा आदि मौजूद रहे।